वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2013 - 14

एसबीबीजे
S B B J
स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
STATE BANK OF BIKANER & JAIPUR

टोल फ्री नं. : 1800 180 6005

www.sbbjbank.com

PDF processed with CutePDF evaluation edition www.CutePDF.com

निदेशक मण्डल की सभा का दृश्य
Meeting of the Board of Directors in Progress

सूचना

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, 'सी'-स्कीम,
जयपुर-302 005

वार्षिक साधारण सभा तथा अंशधारकों का रजिस्टर बंद करने की सूचना--तिथि परिवर्तन

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के अंशधारकों की 53वीं वार्षिक साधारण सभा, महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम, भारतीय विद्या भवन, के.एम. मुंशी मार्ग, ओ.टी.एस. के सामने, जयपुर-302015 में, पूर्व निर्धारित तिथि बुधवार, दिनांक 28 मई, 2014 को दोपहर 12.00 बजे के स्थान पर **सोमवार, दिनांक 02 जून, 2014 को प्रातः 11.30 बजे** (भारतीय मानक समय) आयोजित की जाएगी जिसमें 01 अप्रैल, 2013 से 31 मार्च, 2014 तक की अवधि के तुलन-पत्र एवं लाभ और हानि खाता, इसी अवधि में बैंक के कार्यकरण एवं क्रियाकलापों पर निदेशक मण्डल के प्रतिवेदन तथा तुलन-पत्र व लेखों के सम्बन्ध में संपरीक्षकों के प्रतिवेदन पर विचार कर पारित किया जायेगा।

बैंक के अंशधारकों का रजिस्टर बुधवार, दिनांक 21 मई, 2014 से मंगलवार, दिनांक 27 मई, 2014 तक के स्थान पर **सोमवार, दिनांक 26 मई, 2014 से रविवार, दिनांक 01 जून, 2014 तक** (दोनो दिन मिलाकर) 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष की वार्षिक साधारण सभा हेतु बन्द रहेगा।

मण्डल के आदेशानुसार

जयपुर
दिनांकः 01 मई, 2014

बी. श्रीराम
प्रबन्ध निदेशक

NOTICE

STATE BANK OF BIKANER & JAIPUR

Head Office, Tilak Marg, 'C'-Scheme,
Jaipur-302 005

NOTICE OF ANNUAL GENERAL MEETING AND BOOK CLOSURE POSTPONEMENT OF DATES

NOTICE is hereby given that the Fifty-third Annual General Meeting of the Shareholders of State Bank of Bikaner and Jaipur will be held in the Maharana Pratap Auditorium, Bharatiya Vidya Bhavan, K. M. Munshi Marg, Opp. O.T.S., Jaipur - 302015 on **Monday, the 2nd June, 2014 at 11.30 a.m.** (Indian Standard Time) instead of Wednesday, the 28th May, 2014 at 12.00 noon, as notified earlier, to discuss and adopt the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts for the period 1st April, 2013 to 31st March, 2014.

The register of shareholders of the Bank shall remain closed from **Monday, the 26th May, 2014 to Sunday, the 1st June, 2014** (both days inclusive) instead of from Wednesday, the 21st May, 2014 to Tuesday, the 27th May, 2014, for the purpose of Annual General Meeting for the year ended 31st March, 2014.

BY ORDER OF THE BOARD

Jaipur
Dated: 1st May, 2014

B. Sriram
Managing Director

विषय-सूची CONTENTS

उल्लेखनीय तथ्य Highlights	03 03
निदेशक मण्डल Board of Directors	04 04
निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन Directors' Report	06 07
बासेल-II प्रकटीकरण Basel-II Disclosures	78 79
बासेल-III प्रकटीकरण Basel-III Disclosures	106 107
लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन Auditors' Report	164 165
तुलन-पत्र Balance Sheet	168 168
लाभ-हानि खाता Profit & Loss Account	170 170
अनुसूचियां Schedules	172 172
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां Principal Accounting Policies	184 185
खातों पर टिप्पणियां Notes on Accounts	198 199

उन्नति का एक दशक 2005-2014
A Decade of Progress 2005-2014

(` करोड़ में)
(` in Crore)

संकेतक ***Indicators***	पूंजी एवं आरक्षितियां ***Capital & Reserves***	कुल व्यवसाय ***Total Business***	परिचालन लाभ ***Operating Profit***	निवल लाभ ***Net Profit***	शाखाओं की संख्या ***No. of Branches***	प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय ***Average Business per Employee***	प्रति कर्मचारी निवल लाभ (` लाख में) ***Net Profit per Employee (` In lakh)***
मार्च ***March 2005***	***1297.68***	***31294***	***729.64***	***205.65***	***824***	***2.20***	***1.69***
मार्च ***March 2006***	***1405.66***	***37790***	***481.03@***	***145.03***	***832***	***2.77***	***1.20***
मार्च ***March 2007***	***1653.71***	***49246***	***679.20@***	***305.80***	***844***	***3.56***	***2.57***
मार्च ***March 2008***	***1713.21***	***59427***	***661.18@***	***315.00***	***850***	***4.45***	***2.73***
मार्च ***March 2009***	***2046.47***	***69312***	***892.84@***	***403.45***	***860***	***5.55***	***3.55***
मार्च ***March 2010***	***2417.40***	***81622***	***903.73@***	***455.16***	***861***	***6.28***	***3.96***
मार्च ***March 2011***	***2850.81***	***95596***	***1140.25@***	***550.88***	***902***	***7.51***	***4.84***
मार्च ***March 2012***	***4164.88***	***111558***	***1489.61@***	***652.03***	***950***	***8.27***	***5.42***
मार्च ***March 2013***	***4764.13***	***130590***	***1712.87@***	***730.24***	***1037***	***9.00***	***5.91***
मार्च ***March 2014***	***5355.92***	***139208***	***1694.66@***	***731.69***	***1148***	***9.77***	***5.62***

@ निवेशों के मूल्यांकन के लिए भारिबैं द्वारा जारी पुनरीक्षित दिशानिर्देशों को दृष्टिगत करते हुए।
Keeping in view revised RBI guidelines on valuation of investments.

उल्लेखनीय तथ्य
HIGHLIGHTS

(`करोड़ में)
(` in Crore)

		2012-13	2013-14
कुल व्यवसाय अन्तर-बैंक जमाओं सहित ***Total Business including inter-bank deposits***		130590	139208
जमाराशियाँ ***Deposits***		72116	73875
कुल अग्रिम ***Total Advances***		58474	65333
अग्रिम (निवल) ***Advances (Net)***		57535	64172
निवेश (निवल) ***Investments (Net)***		20146	17750
निवल लाभ ***Net Profit***		730.24	731.69
जमाओं की लागत ***Cost of Deposits***		7.13%	7.04%
अग्रिमों पर आय ***Yield on Advances***		11.64%	11.27%
निवल ब्याज अन्तर ***Net Interest Margin***		3.62%	3.62%
प्रदत्त पूँजी एवं आरक्षितियाँ ***Paid-up Capital & Reserves***		4764.13	5355.92
प्रति अंश आय (` में) ***Earning per Share (in `)***		104.32	104.53
प्रति अंश पुस्तक मूल्य (` में) ***Book Value per Share ( in `)***		678.74	765.13
पूँजी पर्याप्तता अनुपात ***Capital Adequacy Ratio***	बासेल-II के अनुसार ***As per Basel-II***	12.16%	11.71%
	बासेल-III के अनुसार ***As per Basel-III***	NA	11.55%
लाभांश दर ***Dividend Rate***		161%	143%
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां ***Gross Non Performing Assets***		2119.49	2732.78
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां प्रतिशत ***Gross NPA %***		3.62%	4.18%
निवल गैर-निष्पादित आस्तियां प्रतिशत ***Net NPA %***		2.27%	2.76%
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को अग्रिम ***Advances to Priority Sectors***		20807	23641
कृषि क्षेत्र को अग्रिम ***Advances to Agriculture***		9188	10962
सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को अग्रिम ***Advances to Micro and Small Enterprises***		8127	9464
निर्यात वित्त ***Export Finance***		2334	2740
शाखाओं की कुल संख्या ***Total number of branches***		1037	1148
कर्मचारियों की संख्या ***Number of Employees***		12831	13359
प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय ***Average Business per Employee***		9.00	9.77
प्रति कर्मचारी निवल लाभ (` लाख में) ***Net Profit per Employee (` in lakh)***		5.91	5.62

निदेशक मण्डल (31 मार्च, 2014 को)

श्रीमती अरून्धति भट्टाचार्य
अध्यक्ष,
भारतीय स्टेट बैंक,
कारपोरेट सेन्टर, मेडम कामा रोड,
मुम्बई - 400 021
भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम 1959 की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) के अधीन पदेन अध्यक्ष

श्री बी. श्रीराम
प्रबन्ध निदेशक,
स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर,
प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग,
जयपुर 302005
अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (एए) के अधीन मनोनीत

श्रीमती मालविका सिन्हा
मुख्य महाप्रबन्धक
गैर-बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग एवं
विदेशी विनिमय विभाग,
भारतीय रिज़र्व बैंक
नई दिल्ली
अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (बी) के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मनोनीत

श्री एस. विश्वनाथन
प्रबंध निदेशक एवं स.का. (स. एवं अ.)
भारतीय स्टेट बैंक, कारपोरेट सेन्टर,
मुम्बई - 400021
अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत

श्री राजीव एन. मेहरा
मुख्य महाप्रबन्धक, (स. एवं अ.),
भारतीय स्टेट बैंक, कारपोरेट सेन्टर,
मुम्बई - 400 021
अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत

श्री पी.सी. जेना
महाप्रबन्धक, (स. एवं अ.),
सहयोगी बैंक विभाग,
भारतीय स्टेट बैंक, कारपोरेट सेन्टर
मुम्बई - 400 021
अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत

श्री राजेश टी. मनुबरवाला
9, अमीजाधव बंगलों
आशीष होटल के पास,
एबीसी चौकड़ी
भरूच - 392001
अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत

श्री भारत रतन
बी. रतन एण्ड एसोसियेट्स,
दुकान सं. 408-409, महक टावर,
कैलाश सिनेमा रोड, सिविल लाइंस,
लुधियाना - 141001
अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत

श्री अरुण कुमार सराफ
प्रबन्ध निदेशक, ज्यूनिपर होटल्स प्रा. लि.,
ग्रांड हयात् मुम्बई, सान्ताक्रुज,
मुम्बई - 400 005
अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक

श्री रतन कुमार रूंगटा
61/45, प्रताप नगर
सांगानेर, टोंक रोड
जयपुर-302030
अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत

श्री गुलाब सिंह
उप सचिव, भारत सरकार, आईएफ-I
वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएं विभाग,
(बैंकिंग प्रभाग) तृतीय तल, जीवन दीप
बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ई) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

श्री सुनील दत्त बाली
'मुस्कान', 4/83, विद्याधर नगर,
जयपुर
अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीबी) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

श्री अरूण कूलवाल
एकल खिड़की परिचालक
स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
अं.का., जयपुर-302001
अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीए) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

BOARD OF DIRECTORS (AS ON 31st March, 2014)

Smt. Arundhati Bhattacharya
Chairman
State Bank of India, Corporate Centre
Madame Cama Road,
Mumbai-400021
Chairman, ex-officio under clause (a) of sub-section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.

Shri B. Sriram
Managing Director
State Bank of Bikaner and Jaipur
Head Office, Tilak Marg
Jaipur - 302 005
Nominated under clause (aa) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

Smt Malvika Sinha
Chief General Manager,
Deptt of Non-Banking Supervision,
Issue Deptt and Foreign Exchange
Deptt, Reserve Bank of India, New
Delhi
Nominated by the Reserve Bank of India under clause (b) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

Shri S. Vishvanathan
MD & GE (A&S)
State Bank of India, Corporate Centre,
Mumbai-400021
Nominated by the State Bank of India under clause (C) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

Shri Rajeev N. Mehra
Chief General Manager (A&S)
State Bank of India, Corporate Centre,
Mumbai-400021
Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

Shri P. C. Jena
General Manager (A&S)
Associate Banks Department
State Bank of India
Corporate Centre, Mumbai-400021
Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

Shri Rajesh T. Manubarwala
9, Amijadav Bunglows, Near Hotel
Ashish, ABC Chokdi,
Bharuch -392001
Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

Shri Bharat Rattan
B. Rattan & Associates,
Shop No. 408-409,
Mahak Tower, Kailash Cinema Road,
Civil Lines Ludhiana-141001
Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

Shri Arun K Saraf
Managing Director,
Juniper Hotels Pvt Ltd., Grand Hyatt
Mumbai, Santacruz,
MUMBAI-400005
Elected director under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

Shri Ratan Kumar Roongta
61/45 Pratap Nagar
Sanganer Tonk Road
Jaipur-302030
Elected director under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act

Shri Gulab Singh
Dy. Secretary Govt. of India, IF-I
Ministry of Finance Department of
Finacial Services (Banking Divison IIIrd
Floor Jeevan Deep Building Parliament
street New Delhi-110001
Nominated by the Central Government under clause (e) of sub- section (1) of section 25 of the Act.

Shri Sunil Dutt Bali
Muskan, 4/83, Vidhyadhar Nagar,
Jaipur
Nominated by the Central Government under clause (cb) of sub-section (1) of section 25 read with sub section (2A) of section 26 of the Act.

Shri Arun Koolwal
S. W. O. State Bank of Bikaner &
Jaipur, Z. O.
Jaipur-302001
Nominated by the Central Government under clause (ca) of sub- section (1) of section 25 read with sub- section (2A) of section 26 of the Act.

निदेशक मण्डल (31 मार्च 2014 को)
BOARD OF DIRECTORS (AS ON 31st March, 2014)

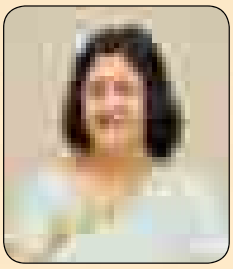

श्रीमती अरून्धति भट्टाचार्य
अध्यक्ष
Smt. Arundhati Bhattacharya
Chairman

श्री एस. विश्वनाथन
प्रबन्ध निदेशक एवं स.का. (स.एवं.अ.)
Shri S. Vishvanathan
Managing Director & GE (A&S)

श्री बी. श्रीराम
प्रबन्ध निदेशक
Shri B. Sriram
Managing Director

श्री राजीव एन. मेहरा
Shri Rajeev N. Mehra

श्री पी.सी. जेना
Shri P.C. Jena

श्री गुलाब सिंह
Shri Gulab Singh

श्रीमती मालविका सिन्हा
Smt. Malvika Sinha

श्री राजेश टी मनुबरवाला
Shri Rajesh T. Manubarwala

श्री भारत रतन
Shri Bharat Rattan

श्री अरुण के. सराफ
Shri Arun K. Saraf

श्री रतन कुमार रूंगटा
Shri Ratan Kumar Roongta

श्री एस.डी. बाली
Shri S.D.Bali

श्री अरूण कूलवाल
Shri Arun Koolwal

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 43(1) के निबन्धनों के तहत भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं भारत सरकार को निदेशक मंडल का प्रतिवेदन

प्रतिवेदन की अवधिः 01 अप्रैल, 2013 से 31 मार्च, 2014

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक मंडल को बैंक के 31 मार्च 2014 को समाप्त वित्त वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन, अंकेक्षित तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि खातों के साथ प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है।

प्रबंधन विचार विमर्श और विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य

वैश्विक अर्थव्यवस्था

वित्त वर्ष 2013-14 संपूर्ण वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा है। यद्यपि वैश्विक आर्थिक उथलपुथल, जो 2008-09 में अमेरिका में असमंजस की स्थिति लाई और जो धीरे-धीरे यूरोप में फैल गई, का पूर्णरूप से प्रभाव समाप्त नहीं हुआ है, तथापि सुधार के संकेत काफी हद तक दृष्टिगोचर हो रहे हैं। जहां अमेरिका में सबप्राइम का असर कम हो गया है, वहीं यूरोप में हुई गिरावट में भी धीरे-धीरे सुधार आ रहा है। 2014 में वैश्विक वृद्धि में आंशिक बढ़ोतरी दर तकरीबन 3.7% व 2015 में बढ़कर 3.9% हो जाने का अनुमान है। तथापि, कुछ अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि दर अनुमानों में निरन्तर गिरावट संबंधी संशोधन इनमें विद्यमान मूलभूत कमजोरियों को प्रदर्शित करती हैं और गिरावट के जोखिम अभी भी विद्यमान है।

2014 में अमेरिका में वृद्धि दर 2013 में हुई वृद्धि दर 1.9% के सापेक्ष 2.8% होने का अनुमान है। यूरो क्षेत्र में मंदी से सुधार की ओर बढ़ने के लक्षण परिलक्षित हो रहे हैं तथा इसके 2014 में 1% तथा 2015 में 1.4% होकर और मजबूत होने का अनुमान है। उभरते बाजार तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में समग्र वृद्धि बढ़कर 2014 में 5.1% तथा 2015 में 5.4% अपेक्षित है। निवेश त्वरित गति से बढ़ने के कारण चीन में 2013 के द्वितीय भाग में मजबूती के साथ लौटी वृद्धि का प्रभाव अस्थायी रहने का अनुमान है तथा 2014-15 में यह 7.5% के करीब आकर ठहर सकती है।

यद्यपि घरेलू अर्थव्यवस्था की कमजोरियों से चिंताजनक बनी रही, तथापि अधिकांश उभरते बाजारों तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में विकसित अर्थव्यवस्थाओं से आई मजबूत बाहरी मांग ने वृद्धि दर को काफी हद तक ऊँचा उठाया। कुछ अर्थव्यवस्थाओं में, मौद्रिक नीति की सहायता दिए जाने की गुंजाईश अभी भी है। वहीं अधिकांश अन्यों में, उत्पादन संभाव्य के काफी करीब है जिससे प्रदर्शित होता है कि विकास दर में आंशिक गिरावट संरचनात्मक कारकों या चक्रीय मंदी से प्रभावित रही और ऐसे में वृद्धि में बढ़ोतरी के लिए प्रमुख नीति दृष्टिकोण को संरचनात्मक सुधारों सहित आगे बढ़ाना आवश्यक हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था

घरेलू मोर्चे पर अर्थव्यवस्था ने 2013-14 की तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 4.7% की वृद्धि दर सहित जीडीपी में लगातार सात तिमाहियों तक 5% के नीचे की वृद्धि दर दर्ज की है। वित्त वर्ष 2013-14 की दूसरी व तीसरी तिमाही में वृद्धि बेहतर कृषि उत्पादन के कारण भी रही। विनिर्माण क्षेत्र में नकारात्मक वृद्धि से समग्र जीडीपी पर निरन्तर दबाव बना रहा। वर्ष के अधिकांश भाग में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक दबाव में रहा जिससे वृद्धि की संभावनाएं मंद रही हैं। इस प्रकार संकेतक औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्रों में सतत सुधार की ओर इंगित नहीं करते हैं।

तथापि, मुद्रास्फीति के मोर्चे पर राहत थी। वित्त वर्ष 2013-14 की समाप्ति से पूर्व थोक मूल्य सूचकांक (WPI) में कमी दिखने लगी तथा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) में भी साथ-साथ कुछ कमी देखी गई जिससे ब्याज दरों को कम होने में कुछ मदद मिली। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जनवरी 2015 तक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) 8% हो जाने के अनुमान के सापेक्ष CPI मुद्रास्फीति फरवरी में 8.1% रही जिसे संतोषजनक कहा जाएगा। तथापि, मूल्यों में वृद्धि होने के साथ, मुद्रास्फीति फिर बढ़ने की संभावना है मगर यह विगत वर्ष जितनी नहीं रहेगी।

निर्यात में जो वृद्धि, कमजोर हो रहे रूपये के कारण जुलाई से अक्टूबर, 2013 में दो अंको में देखी गई, वह फरवरी, 2014 में साझीदार देशों में मांग कम रहने तथा पेट्रोलियम व रत्नाभूषणों की कीमतें नरम रहने के कारण धीमी होकर 3.67% रही।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने अपनी 2014-15 की द्वैमासिक समीक्षा में, 5.5% की मध्य अनुमानित दर में गिरावट की जोखिम सहित जीडीपी की वृद्धि दर 5 से 6% के बीच रहने का अनुमान जताया है। वित्त वर्ष की समाप्ति पर विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा देश में बड़ी मात्रा में निवेश के कारण सेंसेक्स नई ऊंचाइयों को छूते देखा गया।

बैंकिंग उद्योग

बैंकिंग उद्योग की संवृद्धि अर्थव्यवस्था की वृद्धि शैली की ओर भी इंगित करती है। समग्र जमा व अखाद्य साख में क्रमशः 14%

REPORT OF THE BOARD OF DIRECTORS TO THE STATE BANK OF INDIA, THE RESERVE BANK OF INDIA AND THE GOVERNMENT OF INDIA IN TERMS OF SECTION 43(1) OF THE STATE BANK OF INDIA (SUBSIDIARY BANKS) ACT 1959

PERIOD COVERED BY REPORT: 1ST APRIL 2013 TO 31ST MARCH 2014

The Board of Directors of State Bank of Bikaner and Jaipur have pleasure in presenting this Annual Report together with the audited Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2014.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

ECONOMIC SCENARIO

GLOBAL ECONOMY:

The financial year 2013-14 has been a challenging year for the global economy put together. Although the global economic turmoil, which shook US in 2008-09 and slowly spread into Europe has not yet subsided completely, the recovery signals are very much visible. While the sub-prime impact has gone off-screen in US, the European slowdown is also slowly pulling through. Global growth is projected to be slightly higher, at around 3.7 percent in 2014 and rising to 3.9 percent in 2015. However, downward revisions to growth forecasts in some economies highlight continued fragilities, and downside risks do still remain.

Growth in United States is expected to be 2.8% in 2014, up from 1.9% in 2013. The Euro area is turning the corner from recession to recovery and is projected to improve to 1 percent in 2014 and further strengthen to 1.4% in 2015.

The overall growth in emerging market and developing economies is expected to increase to 5.1% in 2014 and to 5.4% in 2015. Growth in China, which rebounded strongly in the second half of 2013, largely due to acceleration in investment, is expected to be temporary and may moderate slightly to around 7.5% in 2014-15.

In most of the emerging markets and developing economies, while domestic weaknesses do remain a concern, stronger external demand from advanced economies has, to some extent, lifted growth. While some economies may have room for monetary policy support, output is close to potential in others, suggesting that growth declines partly reflect structural factors or a cyclical cooling and that the main policy approach for raising growth must be to push ahead with structural reform.

INDIAN ECONOMY:

On the domestic front, the economy has continued to register below 5% growth mark successively for five quarters in a row with 4.7% in GDP in the third quarter of 2013-14. The growth in the second and third quarter of FY 2013-14 was also due to better agriculture numbers. The negative growth under manufacturing continued to exert pressure on the overall GDP numbers. The Index of Industrial Production for most part of the year remained under strain, thereby dampening the growth prospects. As such, the indicators do not point towards any sustained revival in the industry and services sector.

However, there were signs of relief on the inflation front. The WPI started easing towards the end of the FY 2013-14 with easing observed in the CPI numbers as well which also helped the interest rates to ease a little. As against the RBI's glide path of inflation (CPI) touching 8% by Jan'15, the CPI inflation eased to 8.1% in February. However, with the hardening of prices, the inflation may again rise, albeit not as much as previous year. Exports, which picked up to double digit growth from July to Oct., 2013 on falling rupee value, slowed to 3.67% in Feb'14 due to slowdown in demand in partner countries and softening of prices of exports of petroleum products and gems and jewellery.

RBI, in its first bi-monthly review of 2014-15, has estimated GDP growth in the range of 5 to 6%, with downward risks to the central estimate of 5.5%. The end of the financial year saw Sensex touching new highs on the back of huge FII inflows in the country.

BANKING INDUSTRY:

The Banking Industry growth points toward the growth pattern of the economy as well. As against the projected aggregate deposit and non-food credit growth of 14% and 15% respectively, the banking industry, as at 21st Mar'14, registered a growth of 14.6% and 14.3% respectively. While the deposit growth surpassed the RBI's projections, the credit growth projections could not be achieved, which reflect the low credit off-take and eventually the falling investments in the economy. The asset quality concerns continued to build up, because of the overall trade and demand slowdown. The increase in the benchmark interest rates towards the second half of the year alongwith other liquidity tightening measures targeted to bring inflation under control had their own

व 15% के पूर्वानुमानों के सापेक्ष, 21 मार्च 2014 को बैंकिंग उद्योग ने क्रमशः 14.6% व 14.3% की वृद्धि दर्ज की। यद्यपि जमाओं में भारतीय रिज़र्व बैंक के पूर्वानुमानों से बेहतर वृद्धि हुई है, तथापि साख वृद्धि के पूर्वानुमान प्राप्त नहीं किए जा सके। यह साख की मांग में कमी के रूप में परिलक्षित हुई तथा परिणामतः अर्थव्यवस्था में निवेश में गिरावट आई। समग्र व्यापार और मांग में कमी से आस्ति-गुणवत्ता पर चिंताएं लगातार बनी रहीं। वर्ष के दूसरे भाग में मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के लक्ष्य के साथ बेंचमार्क ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी व तरलता कम करने के अन्य उपाय किए गए जिसका प्रभाव कारपोरेट साख पर भी पड़ा जो पहले से ही मांग की गिरावट का सामना कर रही थी। तथापि, ब्याज दरें अपने शिखर पर पहुँच चुकी प्रतीत होती हैं और मुद्रास्फीति के स्तरों में कमी होने से अब इनमें राहत की उम्मीद की जा सकती है। देश की आर्थिक स्थिति एवं औद्योगिक वृद्धि में अपेक्षित सुधार होने के कारण बैंकिंग उद्योग के कार्य निष्पादन में आगामी तिमाहियों में सुधार हो सकता है, जिससे गैर-निष्पादित आस्तियों (NPA) पर प्रभावी नियंत्रण के साथ इनमें और कमी होने की संभावना है।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थ-तंत्र में राजस्थान एक उभरता हुआ राज्य है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि एवं पशुपालन आधारित होने के उपरांत भी देश के औद्योगिक मानचित्र पर तेजी से उभर रही है। निवेश गंतव्य के रूप में व निवेश प्रस्तावों को आकर्षित करने के मामले में राजस्थान का सभी राज्यों में तीसरा स्थान है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां/इकाइयां संभाव्य निवेश हेतु राजस्थान की ओर आकर्षित हैं। राजस्थान के एनसीआर क्षेत्रों में ऑटोमोबाईल तथा विनिर्माण कंपनियों के आने से क्षेत्र में लघु व्यापार इकाइयों के उत्तरोत्तर विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। भारत में खदान एवं खनन के क्षेत्रों में राजस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह सीमेंट का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। यहां नमक, तांबा व जस्ते के प्रचुर भंडार हैं। माल परिवहन हेतु प्रस्तावित दिल्ली-मुंबई कोरीडोर से राजस्थान बहुत लाभान्वित होने जा रहा है। बाड़मेर में प्रस्तावित तेल शोधक संयंत्र, जिसका औपचारिक उद्घाटन 22 सितंबर, 2013 को हो चुका है तथा अलवर जिले में तांबे के विशाल भंडार मिलने से राजस्थान के नए औद्योगिक निवेश का केंद्र बनने की संभावनाएं और बलवती होंगी। केयर्न इंडिया द्वारा तेल की खोज ने राजस्थान को तेल एवं गैस खोज के मानचित्र पर पहले ही ला दिया है।

वस्त्र उद्योग एक अन्य क्षेत्र है, जिसका अन्य उद्योगों के अलावा राजस्थान सहित देश की अर्थव्यवस्था में बहुत योगदान है। वस्त्र उद्योग का देश की जीडीपी में लगभग 4% योगदान है। प्राकृतिक सौंदर्य एवं महान ऐतिहासिक धरोहर से युक्त राजस्थान में पर्यटन एक उन्नत क्षेत्र है, जहां जयपुर, उदयपुर, जोधपुर एवं जैसलमेर जैसे स्थान पर्यटकों को सदैव आकर्षित करते रहे हैं। स्वस्थ व सतत् विकासोन्मुख पर्यटन उद्योग का स्थानीय हस्तशिल्प तथा जवाहरात उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का अहम् योगदान है।

वित्तीय क्षेत्र में प्रगति

वर्ष 2013-14 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए उनकी प्रभावी आस्तियों के बोझ में वृद्धि का वर्ष रहा है। इस दौरान दिसंबर, 2013 तक सकल गैर-निष्पादित आस्तियों में कुल वृद्धि 39% तथा शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियों में 51% वृद्धि रही।

विकास दर में गिरावट, सतत् मुद्रास्फीति तथा घाटे के सह जोखिम, जो 2012-13 में तीव्रता से बढ़ रहे थे, ने चालू राजकोषीय वर्ष में अपेक्षित चालू खाता घाटा कम होकर जीडीपी का 2% रह जाने के कारण कुछ राहत दी है। चालू राजकोषीय वर्ष की गत तिमाही में जीडीपी 5.5% की दर से बढ़ने व मुद्रास्फीति नियंत्रित रहने की आशा है। रूपए की गिरती कीमत तथा गैर उपयोगी आयातों पर रोक लगाने के लिए किए जा रहे उपायों के परिणाम स्वरूप वित्त वर्ष 2013-14 में निर्यात में वृद्धि देखी गई तथा आयातों में नकारात्मक वृद्धि देखी गई। इससे चालू खाता घाटे को बजटीय स्तर तक नियंत्रित रखने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

मौद्रिक नीति

मुद्रास्फीति की वर्तमान दर को, यदि खाद्य व ईंधन की कीमतों को हटा दिया जाए, अभी भी संकटग्रस्त मानते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर ने सावधानीपूर्ण दृष्टिकोण अपनाते हुए 2014-15 के लिए प्रथम द्वैमासिक मौद्रिक नीति विवरण में ब्याज दरें अपरिवर्तित रखी हैं।

मौद्रिक नीति के कुछ अन्य महत्वपूर्ण बिंदु निम्न हैं-

- जीडीपी वृद्धि दर अधोगामी जोखिम सहित 5% से 6% के बीच रहने का अनुमान है।
- बैंकों को कहा गया है कि दोनों प्रकार के यथा सक्रिय व निष्क्रिय बचत जमा खातों में न्यूनतम शेष नहीं रखे जाने पर कोई प्रभार वसूल नहीं करें।
- मौद्रिक नीति रूपरेखा को संशोधित करने व सशक्त बनाने हेतु विशेष समिति (अध्यक्ष डॉ. उर्जित आर पटेल) की सिफारिशों को क्रियान्वित कर दिया गया है जिसमें मुद्रास्फीति के प्रमुख उपाय के रूप में नए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (समन्वित) को अंगीकार करना, विस्फीति तथा द्वैमासिक मौद्रिक नीति चक्र के संक्रमण हेतु ग्लाईड-पद्धति को स्पष्ट मान्यता प्रदान करना शामिल है।
- चूंकि बासेल समिति द्वारा नियत तरलता कवरेज अनुपात (LCR) 01 जनवरी, 2015 से मानक अनुपात के रूप में प्रभावी हो गया है, मई, 2014 की समाप्ति तक बासेल-III तरलता कवरेज अनुपात तथा तरलता जोखिम निगरानी साधनों के संबंध में दिशा-निर्देश जारी करना प्रस्तावित है।
- आस्ति गुणवत्ता के बारे में बैंकिंग उद्योग में व्याप्त चिंताएं तथा परिणामतः बैंकों के निष्पादन/लाभप्रदता पर पड़ने वाले प्रभाव पर भारतीय रिज़र्व बैंक ने भारत में बासेल III पूंजी विनियमनों के पूर्ण क्रियान्वयन की अवधि में विस्तार कर इसे